Subject-Hindi Class 9 Topic- nibandh 1

निम्नलिखित विषय पर ३०० शब्दो मे निबंध लिखिए।

10. भारतीय नारी : कल और आज

अथवा

भारतीय नारी : प्रगति की ओर

संकेत बिन्दु – (1) भूमिका (2) बीते कल की नारी (3) आज की नारी (4) भविष्य की नारी (5) उपसंहार।

भूमिका – नर और नारी जीवन-रूपी रथ के दो पहिए हैं। एक के बिना दूसरे का काम नहीं चल सकता। अत: दोनों को एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। भारतीय महापुरुषों ने इसीलिए नारी की महिमा का बखान किया है। मनु कहते हैं- "जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ सभी देवता निवास करते हैं।" स्वार्थी और अहंकारी पुरुषों ने नारी को अबला और पुरुष की आज्ञाकारिणी मानकर उसकी गरिमा को गिरा दिया। उसे अशिक्षा और पर्दे की दीवारों में कैद करके, एक दासी जैसा जीवन बिताने को बाध्य कर दिया।

Scanned with CamScanner

बीते कल की नारी – हमारे देश में प्राचीन समय में नारी को समाज में पूरा सम्मान प्राप्त था। वैदिक कालीन नारियाँ सुशिक्षित और स्वाभिमानिनी होती थीं। कोई भी धार्मिक कार्य पत्नी के बिना सफल नहीं माना जाता था। धर्म, दर्शन, शासन, युद्ध-क्षेत्र आदि सभी क्षेत्रों में नारियाँ पुरुषों से पीछे नहीं थीं। विदेशी और विधर्मी आक्रमणकारियों के आगमन के साथ ही भारतीय नारी का मान-सम्मान घटता चला गया। वह अशिक्षा और पर्दे में कैद हो गयी। उसके ऊपर तरह-तरह के पहरे बिठा दिये गये। सैकड़ों वर्षों तक भारतीय नारी इस दुर्दशा को ढोती रही।

Scanned with CamScanner

आज की नारी – स्वतंत्र भारत की नारी ने स्वयं को पहचाना है। वह फिर से अपने पूर्व गौरव को पाने के लिए बेचैन हो उठी है। शिक्षा, व्यवसाय, विज्ञान, सैन्य-सेवा, चिकित्सा, कला, राजनीति हर क्षेत्र में वह पुरुष के कदम से कदम मिलाकर चल रही है। वह सरपंच है, जिला-अध्यक्ष है, मेयर है, मुख्यमंत्री है, प्रधानमंत्री है, राष्ट्रपति है, लेकिन अभी भी यह सौभाग्य नगर-निवासिनी नारी के ही हिस्से में दिखायी देता है। उसकी ग्रामवासिनी करोड़ों बहनें अभी भी अशिक्षा, उपेक्षा और पुरुष के अत्याचार झेलने को विवश हैं। एक ओर नारी के सशक्तीकरण (समर्थ बनाने) की, उसे संसद और विधान सभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बातें हो रही हैं तो दूसरी ओर पुरुष वर्ग उसे नाना प्रकार के पाखण्डों और प्रलोभनों से छलने में लगा हुआ है।

Scanned with CamScanner

भविष्य की नारी – भारतीय नारी का भविष्य उज्ज्वल है। वह स्वावलम्बी बनना चाहती है। अपना स्वतंत्र व्यक्तित्व बनाना चाहती है। सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करना चाहती है। ये सारे सपने तभी पूरे होंगे जब वह भावुकता के बजाय विवेक से काम लेगी। स्वतंत्रता को स्वच्छंदता नहीं बनाएगी। पुरुषों की बराबरी की अंधी दौड़ में न पड़कर अपना कार्य-क्षेत्र स्वयं निर्धारित करेगी।

उपसंहार – पुरुष और नारी के संतुलित सहयोग में ही दोनों की भलाई है। दोनों एक-दूसरे को आदर दें। एक-दूसरे को आगे बढ़ने में सहयोग करें।

Scanned with CamScanner